कविता 3 : हाथी

Duration : 00.59 **Transcribed words :** 146

- संगीत -

00.20 (योगिता - अध्यापिका कविता पढ़ती है और सभी बच्चे उनके पीछे लय में गाते हुये)

अध्यापिका	: हाथी दादा बहुत बड़े
बच्चे (सामूहिक स्वर)	: हाथी दादा बहुत बड़े ।
अध्यापिका	: हाथी दादा बहुत बड़े
बच्चे (सामूहिक स्वर)	: हाथी दादा बहुत बड़े ।
अध्यापिका	: सूँड हिलाते कहाँ चले
बच्चे (सामूहिक स्वर)	: सूँड हिलाते कहाँ चले ।
अध्यापिका	: मेरे घर भी आओ ना,
बच्चे (सामूहिक स्वर)	: मेरे घर भी आओ ना ।
अध्यापिका	: हलुआ पूरी खाओ ना,
बच्चे (सामूहिक स्वर)	: हलुआ पूरी खाओ ना ।
अध्यापिका	: आओ बैठो कुर्सी पर,
बच्चे (सामूहिक स्वर)	:आओ बैठो कुर्सी पर ।
अध्यापिका	: कुर्सी बोली चटर पटर,
बच्चे (सामूहिक स्वर)	: कुर्सी बोली चटर पटर ।